प्रेस विज्ञप्ति **9 जनवरी 2019**

विश्व पुस्तक मेला : पुस्तक प्रेमियों के लिए अद्वितीय अनुभव

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में बच्चे, युवा, और बुजुर्ग सभी आयु–वर्ग के पुस्तक प्रेमी अपनी पसंदीदा पुस्तकें स्टॉल पर खरीदते अत्यंत उत्साहित नज़र आ रहे हैं। पाठकों को पुस्तक मेले का सालभर इंतजार रहता है। इसका लाभ उठाने के लिए मेले में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो रहे हैं और कलम, किताब तथा कहानियों की दुनिया का आनंद लेते दिख रहे हैं।

मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास सहित अन्य सरकारी प्रकाशन संस्थाएँ जैसे एनसीईआरटी, साहित्य अकादेमी, प्रकाशन विभाग, आईसीएचआर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, केपेक्सिल, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग, संगीत नाटक अकादमी, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, पंजाबी अकादमी, राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद आदि पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें उचित दामों में मिलने के कारण पुस्तक–प्रेमियों का इन स्टॉलों पर विशेष आकर्षण बना हुआ है।

विश्व साहित्य का अनूठा संगम

इस वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में लगभग 20 देशों–अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रगतिभागी पुस्तक मेले में शामिल होकर अपने–अपने देश के साहित्य का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रगति मैदान के हॉल सं.7 सी विदेशी साहित्य के प्रदर्शन का साक्षी बना हुआ है। मुख्य द्वार से प्रवेश करने पर सामने का हिस्सा अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन जगत से हमारा साक्षात्कार करवाता है।

जर्मनी, स्पेन, ईरान, चीन आदि देशों के स्टॉलों पर हिंदी पुस्तकें भी प्रदर्शित की गई हैं। पाठक यहाँ मैक्स म्युलर की जीवनी तथा गोएठे की कविताएँ हिंदी में देख–पढ़ सकते हैं। स्पेन के स्टॉल पर द्वितीय विश्व युद्ध पर आधारित एक महत्वपूर्ण पुस्तक भी प्रदर्शित है। स्पेन के स्टॉल पर मिगेल दे सेरवांतेस की नाटिका–पुस्तक 'ईर्ष्यालु वृद्ध' तथा राउल सुरीता की कविता–पुस्तक 'दर्द का सागर' हिंदी में देखी जा सकती है।

सम्मानित अतिथि होने के नाते शारजाह का एक वृहदाकार मंडप निर्मित है जो किसी भी आगंतुक को पहली ही नज़र में आकृष्ट कर लेता है। इस हॉल में मीडियाकर्मियों के लिए काँच की दीवारों से एक सुंदर कक्ष निर्मित है। इस मंडप पर प्रतिदिन सम्मानित अतिथि, शारजाह द्वारा अनेक कार्यक्रमों के आयोजन होते हैं। इस मंडप में प्रवेश करते ही बाईं ओर की दीवार पर करीने से सजी पुस्तकें दिखाई देती हैं। यहाँ हिंदी के पुस्तक प्रेमियों को यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि शेल्फ पर जो पुस्तकें सजाई गई हैं वे हिंदी में अनूदित

पुस्तकें हैं। कविता, कहानी तथा अन्य विधाओं की ये पुस्तकें अरबी से हिंदी में अनूदित हैं जो बिक्री के लिए भी उपलब्ध हैं।

हॉल सं. 7सी में 'रि–इमेजिंग ऑक्टेविओ पाज़' शीर्षक से एक पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में ऑक्टेविओ पाज़ की कविताई दुनिया पर आधारित भारत तथा मेक्सिको के कलाकारों द्वारा निर्मित कुछ ग्राफिक चित्र प्रदर्शित किये गए हैं।

थीम मंडप

हॉल सं. 7ई में बने विशेष मंडप पर आज राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'दिव्यांग पाठक : मुद्दे और चुनौतियाँ' विषय पर चर्चा आयोजित की गई। चर्चा का संचालन जी. एन. कर्ण द्वारा किया गया इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे : डॉ कुसुमलता मलिक, डॉ. शैलजा चेन्नेत, डॉ. एस प्रसाद, डॉ. अंजू कक्कड़ और डॉ. आर के सरीन। वक्ताओं ने विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें छात्रों के लिए कम लागत वाली पाठ्यपुस्तकों के निर्माण और समाज में समावेशी समझ की संस्कृति की आवश्यकता आदि विषय सम्मिलित हैं।

थीम मंडप में राज्य सभा टीवी ने 'दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताएँ' विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन भी किया। इस चर्चा में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. बल्देव भाई शर्मा, दिव्यांगजन रोल मॉडल राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्री ललित कुमार, माइक्रोसॉफ्ट के श्री बालेन्दु शर्मा दधीचि और महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रकाशन प्रभारी श्री राजेश यादव ने भाग लिया। चर्चा के दौरान प्रो. शर्मा ने मेले में दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, पठन–सामग्री और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। श्री ललित कुमार ने वर्तमान में दिव्यांगजनों की समस्याओं और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। श्री बालेन्दु शर्मा ने माइक्रोसॉफ्ट द्वारा उन्नत की गई ऐसी तकनीकों की जानकारी दी जो विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं से प्रभावित लोगों के लिए सहायक सिद्ध हो सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन राज्य सभा टीवी के होस्ट श्री इरफान द्वारा किया गया।

इसी मंच पर आज राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा सुप्रसिद्ध नृत्यांगना डॉ. सोनल मान सिंह के साथ चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रसिद्ध पत्रकार, अनंत विजय ने उनके साथ बातचीत की। डॉ. सोनल मान सिंह ने पाठकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य एनबीटी के अध्यक्ष, प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने दिया।

साहित्यिक गतिविधियाँ

हॉल सं. 8 के ऑथर्स कॉर्नर पर स्टोरीटेल द्वारा 'अपराध, महिलाओं एवं राष्ट्र' पर चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें प्रख्यात लेखक श्री सुरेंद्र मोहन पाठक ने पुस्तक प्रेमियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लेखक बूढ़ा हो सकता है, उसकी कलम नहीं। आज इस मंच पर उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'मीना मर्डर केस' का ऑडियो प्रारूप जारी

किया गया तथा जानकारी दी गई कि *संगीन जुर्म* नामक उपन्यास का भी ऑडियो प्रारूप जल्द ही साहित्य प्रेमियों के लिए उपलब्ध होगा।

ऑथर्स कॉर्नर में डॉ. निधि धवन द्वारा 'असंभव को संभव बनाना' विषय पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन जीबीडी बुक्स द्वारा किया गया। इसी कार्यक्रम में दो पुस्तकों – *स्पाइडर वेब* तथा *यॉन्ड* का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध लेखक डॉ. क्यू ए आशोब भी उपस्थित हुए।

बाल मंडप

मेले में बच्चों के लिए बने विशेष मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'रचनात्मकता के साथ चित्रांकन : चित्रण कार्यशाला' का आयोजन किया गया, जिसमें काशी विद्यापीठ, वाराणसी की प्रो. मंजुला चतुर्वेदी ने बच्चों को बताया कि जब मनुष्य गुफाओं में रहता था तब भी वह चित्रकारी के माध्यम से ही अपनी बात दूसरों को समझाता था। उन्होने 'लालच बुरी बला है', 'सदा सच बोलो' जैसे विषयों पर बच्चों को कहानियाँ सुनाईं और नन्हे चित्रकारों ने उन कहानियों का चित्रांकन किया।

इसी मंच पर राजीव गांधी फाउंडेशन के तत्वावधान में 'मूक अभिनय' आयोजित किया गया जिसमें 'वंडर रूम' के बच्चों ने प्रस्तुति दी। यहाँ 'सक्षम' स्वयंसेवी संगठन द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' विषय पर एक प्रस्तुतीकरण हुआ। अणुव्रत ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन द्वारा 'पत्रिका कैसे बनाएँ' पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को एक अच्छी पत्रिका बनाने के गुर सिखाए गए।

साहित्य अकादेमी द्वारा 'बाल साहित्य पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ बाल साहित्यकार रजनीकांत शुक्ल, बाल भवन नई दिल्ली की पूर्व निदेशक डॉ. मधुपंत, बाल लेखक राजेंद्र जैन उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

पुस्तक मेले में हर शाम हंसध्वनि थिएटर में **संगीत एवं नृत्य प्रस्तुति** का आयोजन किया जा रहा है। प्रगति मैदान में आने वाले पुस्तक प्रेमी पुस्तकें खरीदने के साथ–साथ सांस्कृतिक कायक्रमों का भी भरपूर आनंद उठा रहे हैं।